नाटो' के हमलों के संबंध में संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका

2687. **श्री कलिप सिब्बल** :

श्री राज मोहिन्दर सिंह :

क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच हैं कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद 'नाटो' देशों द्वारा हाल ही में यूगोस्लाविया पर किये गये हमले के संबंध में शांति स्थापित रखने में सन्तोषजनक भूमिका नहीं निभा पाई थी,

(ख) यदि हां, तो सरकार की इस संबंध में क्या प्रतिक्रिया हैं

(ग) क्या सरकार द्वारा संयुक्त राष्ट्र संघ (यू एन ओ) के वर्तमान ढांचे और कार्यकरण में व्यापक सुधार लाने की आवश्यकता पर विचार किया गया हैं, और

(घ) यदि हां, तो इस संबंध में क्या कार्रवाई की गई हैं ?

विदेश मंत्री (श्री जसवंत सिंह) : (क) और (ख) संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद युगोस्लाविया संघीय गणराज्य के कोसोवो के स्वायत्तशासी प्रान्त में हो रही घटनाओं पर विचार कर रही थी । परिषद ने कोसोवो में इस स्थिति से निपटने के लिए तत्कालीन युगोस्लाविया से सम्बधिंत सम्पर्क दल को प्राधिकृत किया था । तथापि परिषद के विधिवत् अधिकार के बिना नाटों ने युगोस्लाविया संघीय गणराज्य पर आक्रमण शुरू कर दिए । सरकार इन घटनाओं पर कड़ी नजर रखे हुए हैं और सरकार ने 24 और 25 मार्च, 1999 को अपनी गंभीर चिंता व्यक्त की थी । हमारे वक्तव्यों में संयुक्त राष्ट्र चार्टर का उल्लंघन करने वाली किसी प्रकार की एकपक्षीय कार्रवाई अथवा ऐसी किसी अन्य कार्रवाई का साफ तौर पर विरोध किया गया हैं । इस एकपक्षीय कार्रवाई ने संयुक्त राष्ट्र की सम्पूर्ण प्रणाली के अधिकार को गम्भीर रूप से खोखला कर दिया हैं । हमने युगोस्लाविया संघीय गणराज्य की प्रभसम्पन्नता और क्षेत्रीय अखण्डता की संरचना के भीतर शांतिपूर्ण तरीकों से इस संकट के समाधान की मांग की हैं ।

(ग) और (घ) भारत स्थायी और गैर-स्थायी सदस्यों की श्रेणी में विकासशील देशों का प्रतिनिधित्व बढ़ाने की दृष्टि से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के विस्तार का समर्थन करता हैं । विस्तार और सुधार सामूहिक पैकेज का एक समेकित हिस्सा होना चाहिए । भारत सुरक्षा परिषद की पुनर्संरचना पर संयुक्त राष्ट्र महासभा के खुले कार्यकारी दल की चर्चाओं में सक्रियता से हिस्सा ले रहा हैं ।

Advertisements in Pakistani Newspapers

2688. SHRI SATISHCHANDRA SITARAM PRADHAN: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government are aware that the Pakistani newspapers are publishing the advertisements to paralyse India;

(b) which are the people, organisations, press involved with this; and

(c) what is the reaction of the Pakistani Prime Minister in the present situation?

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI JASWANT SINGH): (a) to (e) Government is aware of the hostile anti-India propaganda conducted in Pakistan. This activity, conducted through mass media, is totally contrary to the understanding set out in the Simla Agreement of 1972 that the two countries will refrain from hostile propaganda against each other. We have called on the Government of Pakistan to adhere to this understanding. This issue has also been taken up regularly in the composite bilateral dialogue.

Test firing of Agni-II missile

2689. SHRI SANJAY NIRUPAM: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether India under pressure of USA has withheld the test firing of Agni-II missile;

(b) if so, whether it is not against India's resolve to build and maintain a minimal deterrent for country's security; and

(c) for how long India will succumb under pressure and postpone test firing of Agni-II missile?

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI JASWANT SINGH): (a) No Sir. A successful flight test of Agni-II was carried out on 11 April.